

## Τὴν Θεοτόκον

Ⲭⲏⲛ

*8. hlas // plag. 4<sup>th</sup> echos*

Vi –, Va –, Sn1214 –

0. Τὴν Θεοτόκον *Theotokion (v dnešných knihách nenájdené // not found in actual books)*

**Byz**

Am 308v (309), Dk 288v (580), Ott 344r (691),

**Rus. ref.**

S414 228v

1. Νὺν τὸν Σταυρόν *po PS3, Utorok*

**Byz**

Am 202v (203), Dk 185r (373), Ott\* 337v (678), Trin\* 290r (290)  
G260\* 251r (258), G261\* 250v (256), G265\* 187v (182), G270\* 239v (247)

**Rus. ref.**

S411 192v, S414 647r, S447 142v; Pomor Triod' "061-059" 84r

## Text

### 0.

Theotokion (v dnešných knihách nenájdené // not found in actual books)

Την θεοτοκον μαριαν<sup>a3 -c</sup>  
παντες τιμησωμεν G3 -a

χαιρε μητηρ του θεου G2  
χαιρε κλιμαξ εμπυχε νοητη G3 (-a)

χαιρε η πριν βατος yd3  
η ακαταφλεκτος G3

χαιρε η σταμνος η παγχρυσος yd3  
χαιρε το ανθος της πιστεως G2  
χαιρε ραβδος βλαστησασα G3

χαιροις yd το χρυσουν θυμιατηριον yd3  
χαιρε ορος θεου<sup>d</sup> κατασκιον παρθενε G3

χαιρε η λυσις<sup>F2</sup> της πρωτης ευας D2  
χαιρε θρονε κυριου ya  
χαιρε πολυευκτον καλλος<sup>d</sup>  
χαιρε δεσποινα. G3

1.

po PS3, Utorok

ΚΕ Ἑτερον, Ποίημα Θεοδώρου Τῆν Θεοτόκον // Ποδόβενη: Ηῦδ:

Νύν τόν Σταυρόν προσκυνούντες,  
πάντες κραυγάζομεν.

Χαίρε ξύλον τῆς ζωῆς,  
χαίρε σκήπτρον ἅγιον τοῦ Χριστοῦ,

χαίρε βροτῶν δόξα ἐπουράνιε,

χαίρε Ανάκτων τό καύχημα,  
χαίρε τό κράτος τῆς πίστεως,  
χαίρε ὄπλον ἀήτητον,

χαίρε τῶν ἐχθρῶν φυγαδευτήριον,  
χαίρε φέγγος λαμπρόν,  
σωτήριον τοῦ Κόσμου,

χαίρε Μαρτύρων τό μέγα κλέος,  
χαίρε σθένος Δικαίων,  
χαίρε Ἀγγέλων λαμπρότης,  
χαίρε πάνσεπτε.

Нѣнѣ κрѣдъ покланѣваемъ, вѣнъ воззовѣмъ:

ράддѣемъ, дрѣво жѣзньи.  
ράддѣемъ, екѣптрѣ етѣбѣи хрѣтоуѣ.

ράддѣемъ, челоуѣкѣуѣзъ елѣва нѣнаа.

ράддѣемъ, вѣрнычъ похвалѣ.  
ράддѣемъ, державѣ вѣры.  
ράддѣемъ, ѡрѣжѣ непоуѣдѣмоѣ.

ράддѣемъ, врагѣуѣзъ ѡгнѣнѣ.  
ράддѣемъ, етѣнѣ вѣтлоѣ, етѣнѣтельное мѣрд.

ράддѣемъ, мѣченнѣкѣуѣзъ вѣлѣа елѣво.  
ράддѣемъ, еило прѣвѣднычъ.  
ράддѣемъ, ѡггѣуѣзъ вѣтлоѣте.  
ράддѣемъ, вѣеѣѣтѣне.

Prepis // Transcription

Την θεοτοκον μαριαν

Νύν τόν Σταυρόν προσκυνούντες



Am,Dk 01, Ott 0 Trin

Ott 1

0. Την θε- ο- το- κον μα- ρι- αν\*

1. Νύν τόν Σταυ-ρόν προ-σκυ-νούν-τες\*

S414

0 ο\_γο\_ ρο\_ δι\_η\_μ\_α\_ρι\_α\_ς

S411

1 δι\_η\_μ\_α\_ρι\_α\_ς κρε\_στον πο\_ κλα\_μα\_ιο\_ ψε\_σα

S414

S447

1 δι\_η\_μ\_α\_ρι\_α\_ς κρε\_στον τω\_ε\_μοι\_ πο\_ κλα\_μα\_ιο\_ ψε\_σα

Pomor

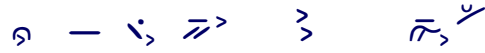




Trin



Am,Dk 01, Ott 0



Ott 1



0. παν-τες τι- μη- σω- μεν \*  
 1. παν-τες κραυ-γά- ζο- μεν.\*

S411



S414/47



0 ΚΕ\_ CH ΠΟ\_ ΥΤΕ\_ ΜΟ.  
 1 ΚΕ\_ CH Β'Ζ\_ ΖΟ\_ ΠΗ\_ Ε\_ ΜΖ.

Pomor





Ott 1



Trin



Dk 01



G265



Ott 0



Am 01



0. χα-ρε μη- τηρ του θε- ου\*  
 1. Χαί-ρε ξύ- λον τής ζω- ής,\*  
 tou stav-rou

S414



ΡΑ\_ ΔΟΥ\_ Η\_ ΣΑ ΜΑ\_ ΤΗ ΚΟ\_ ΖΗ\_ ΙΑ

S411



S447

S414



ΡΑ\_ ΔΟΥ\_ Η\_ ΣΑ ΔΡΕ\_ ΚΟ ΖΗ\_ ΚΟ\_ ΤΕ\_ ΝΟ\_ Ε.



Pomor



G265



Trin



Ott 1



Ott 0



Am 01 Dk 01

0. χαι-ρε κλι-μαξ εμ- ψυ-χε νο- η- τη\*  
1. χαι-ρε σκήπτρον ά- γι- ον του Χρι-στου\*

S414

PA\_ ΔΟΥ\_ Η\_ ΣΑ ΛΕΣΤΒΗЦЕ ΔΟΥ\_ ШЕ\_ ВЕ\_ ΠΑ\_ Δ Η ΜΥ\_ ΣΛΕ\_ ΠΑ\_ Δ

S411

S414/47

PA\_ ΔΟΥ\_ Η\_ ΣΑ ΣΚΥΠΙΠЕ\_ ΤΡΕ СВА\_ ΤΥ\_ Η ΧΡΗ\_ СТО\_ ВЪ.



Pomor



Ott 0

Ott 1, Trin

Am 01, Dk 1

Dk 0

G260

0.

1.

χαι-ρε η πριν βα-τος α-κα-τα φλε-κτος\*  
 χαί-ρε βρο-τών δό-ξα επ-ου-ρά-νι-ε,\*

S414

ΡΑ\_ ΔΟΥ\_ Η\_ ΣΑ ΔΡΕ\_ ΒΕ\_ ΠΑ\_ ΙΑ ΚΟΥ\_ ΠΗ\_ ΝΑ ΝΕ\_ Ω\_ ΠΑ\_ ΛΗ\_ ΜΑ\_ ΙΑ.

S411

S414

S447

ΡΑ\_ ΔΟΥ\_ Η\_ ΣΑ ΖΕ\_ ΜΕ\_ ΠΥΗ\_ ΜΨ ΣΛΑ\_ ΒΑ ΝΕ\_ ΒΕ\_ ΣΕ\_ ΝΑ\_ ΙΑ.

Pomor



.tristem



Am,Dk 01



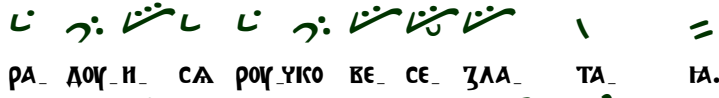
Ott 1, Trin

Ott 0



0. χαι-ρε η σταμ-νος η παγ- χρυ- σος \*  
1. χαι-ρε Α- νά-κτων τό καύ- χη- μα, \*

S414



ΡΑ\_ ΔΟΥ\_ Η\_ ΣΑ ΡΟΥ\_ ΥΚΟ ΒΕ\_ ΣΕ\_ ΖΛΑ\_ ΤΑ\_ ΙΑ.

S411



S414



S447



ΡΑ\_ ΔΟΥ\_ Η\_ ΣΑ ΛΑ\_ ΡΕ\_ ΜΪ ΠΟ\_ ΧΒΑ\_ Α\_ ΛΟ.





Trin > ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ / > »



Ott 1 > ˘ > ˘ ˘ ˘ ˘ / > »

G270 > ˘ > ˘ ˘ ˘ ˘ / > »



Am 01 > ˘ > ˘ ˘ ˘ ˘ / > » Dk,Ott 01

0. χαι-ρε το αν-θος της πι-στε-ως\*  
1. χαι-ρε τό κρά-τος τής πί-στε-ως, \*

S414 ρΑ\_ ΔΟΥ\_ Η\_ ΣΑ ΛΕΚ\_ ΤΕ ΒΚ\_ ΡΥ

S411 ρΑ\_ ΔΟΥ\_ Η\_ ΣΑ ΛΕΚ\_ ΤΕ ΒΚ\_ ΡΥ S447

S414 ρΑ\_ ΔΟΥ\_ Η\_ ΣΑ ΔΕΡ\_ ΖΑ\_ ΒΟ ΒΚ\_ ΡΥ



G270



Am 01

Trin

0.

1.

S414

S411

S414

S447

— — — — — — —

χαι-ρε ραβ-δος βλα-στη-σα-σα \*  
 χαί-ρε ό-πλον α-ήτ-τη-τον, \*

РА\_ ΔΟΥ\_ Η\_ СА ЖЕ\_ ΖΛΕ ΠΡΟ\_ ΖΑ\_ ΒΕ\_ ΝΗ\_ Α.  
 РА\_ ΔΟΥ\_ Η\_ СА О\_ ΡΟΥ\_ ЖН\_ Ε ΝΕ\_ ΠΟ\_ ΒΧ\_ ΔΗ\_ ΜΟ\_ Ε.

Dk,Ott 01

Pomor





G260



Am 0



G265



Dk 01

Ott 01

Trin

0. χαί- ροις το χρυ-σούν θυ- μι- α- τη- ρι- ον \*

1. χαί- ρε τών εχ-θρών φυ- γα- δευ-τή- ρι- ον, \*

S414

ΡΑ\_ ΔΟΥ\_ Η\_ ΣΑ\_ ΖΛΑ\_ ΤΑ\_ ΙΑ\_ ΚΑ\_ ΔΗΛ\_ ΝΗ\_ ΞΕ.

S411/47

S414

ΡΑ\_ ΔΟΥ\_ Η\_ ΣΑ\_ ΒΡΑ\_ ΓΟ\_ ΜΪ\_ ΠΡΟ\_ ΓΟ\_ ΝΕ\_ ΝΗ\_ Ε.



Pomor

Am 1





G265



G270



1. χαί-ρε Μαρ-τύ-ρων τό μέ-γα κλέ-ος\*



Am 01



Dk 01, Ott 1

Ott 0



Trin



0. χαί-ρε η λυ-σις της πρω-της ευ-ας\*  
1. χαί-ρε Μαρ-τύ-ρων τό μέ-γα κλέ-ος\*

S414



ΡΑ ΔΟΥ Η ΣΑ ΡΑ Ζ Ρ Κ Σ Η Ν Η Ε Ζ Ε Π Ε Ρ Β Υ Ι Α Ε Β Β Η Ν Υ Ι Κ Λ Α Τ Β Υ Ι

S411



S414



S447



ΡΑ ΔΟΥ Η ΣΑ ΜΟΥ Υ Ε Ν Η Κ Ω Μ Β Ε Λ Η Κ Υ Ι Η Β Κ Ν Ε Ξ Δ

Pomor





Trin

G260



G265



Am 01

G270

0.

1.



Dk 01, Ott 1

Ott 0

χαι-ρε θρο- νε κυ- ρι- ου \*  
χαι-ρε σθέ- νος Δι- καί- ων, \*

S414



ΡΑ ΔΟΥ Η ΣΑ ΠΡΕ ΣΤΟ ΛΕ ΓΟ ΣΠΟ ΔΕ ΝΕ.

S411/14



ΡΑ ΔΟΥ Η ΣΑ ΣΕ ΛΟ ΠΡΑ ΚΕ ΔΕ ΝΥ Η ΧΨ

S447

Pomor





G265



Am 01

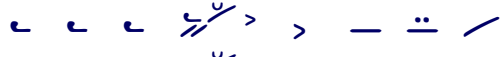


Ott, Dk 01

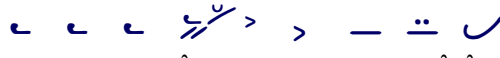
Trin



G260



G270



0.

χαι- ρε πο- λυ- ευ-κτον καλ-λος\*

1.

χαι- ρε Αγ- γέ- λων λαμ-πρό-της\*

S414

РА\_ ΔΟΥ\_ Η\_ СА ΜΝΟ\_ ΓΟ\_ ΥΕ\_ СТНΑ\_ ΙΑ\_ ΔΟ\_ ΕΡΟ\_ ΤΟ

S411/14

РА\_ ΔΟΥ\_ Η\_ СА ΑΓ\_ ΓΕ\_ ΛΟ\_ ΜЪ СΒЪ\_ ΤΕ\_ ΛΟ\_ СТЬ.

S447

РА\_ ΔΟΥ\_ Η\_ СА ΑΓ\_ ΓΕ\_ ΛΟ\_ ΜЪ СΒЪ\_ ΤΕ\_ ΛΟ\_ СТЬ.

Pomor







Am 01

> > >> > <

Ott, Dk 01, G260/65

Trin

> > >> > <

G270

>x >> >> > <

0.  
1.

χαι-ρε δε- σποι- να. +  
χαί-ρε πάν- σεπ- τε. +

S414



ΡΑ\_ ΔΟΥ\_ Η\_ ΣΑ\_ ΒΛΑ\_ ΔΥ\_ ΥΗ\_ ΞΕ

ΜΑ\_ ΤΗ\_ ΧΡΗ\_ ΣΤΑ\_ ΚΟ\_ ΓΑ\_ ΗΑ\_ ΨΕ\_ ΓΟ\_ +

S411/14



S447



ΡΑ\_ ΔΟΥ\_ Η\_ ΣΑ\_ ΚΕ\_ ΣΕ\_ ΥΕ\_ ΣΤΕ\_ ΗΥ\_ Η\_

Pomor

